

माननीय म०प्र० राजस्व मण्डल गवर्नर कैम्प भोपाल म०प्र०

प्र०क्र० / 2017 निगरानी  
I/निगरानी/विदिशा/शु.ग/2017/4544

गुलाव सिंह पुत्र श्री जवाहर सिंह जाति  
मीणा आयु 60 वर्ष निवासी ग्राम वोरिया  
तहसील व जिला विदिशा --- निगरानीकर्ता

बनाम

1. हल्केराम पुत्र श्री सुरत सिंह जाति मीणा  
निवासी ग्राम वोरिया तहसील व जिला  
विदिशा
2. म०प्र० शासन
3. सरपंच ग्राम पंचायत बिलौरी तहसील व  
जिला विदिशा म०प्र० --- असावेदकम्प।

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र०भू०रा० संज्ञित  
विरुद्ध अमर आयुक्त भोपाल संभाग भोपाल के प्र०क्र०  
398 /अमील/2010-11 गुलाव सिंह पुत्र हल्के में पारित  
आदेशोंद्वारा 7.10.2017 के पिल्लु

माननीय महोदय

निगरानीकर्ता की ओर से निगरानी निम्नप्रस्तुत है:-

1. यह कि आवेदक निगरानीकर्ता की निगरानी के  
के तथ्य इस प्रकार है कि ग्राम बिलौरी प०ह०नं० 18 तहसील व जिला  
विदिशा स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 116/1 रकबा 1.175 है, 117/3  
रकबा 1.217 है, 118/3 रकबा 0.189 है, 131/4 रकबा 0.063 है

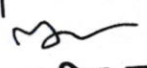
श्री गुलाव सिंह  
के अग्रज  
के अग्रज  
के अग्रज  
15/11/17

Amery

## अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - एक/निगरानी/विदिशा/भू.रा./2017/4544

जिला - विदिशा

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
20/02/2018	<p>प्रकरण का अवलोकन किया एवं आवेदक अधिवक्ता द्वारा ग्राह्यता पर दिए गए तर्कों पर विचार किया। अपर आयुक्त के आदेश को देखने से स्पष्ट होता है कि उन्होंने आवेदक द्वारा प्रस्तुत अपील को इस आधार पर निरस्त किया गया है कि नामांतरण पंजी पर आवेदक द्वारा सहमति से हस्ताक्षर किए गए हैं। उक्त आदेश के विरुद्ध 9 वर्ष पश्चात् एस.डी.ओ. के समक्ष अपील की गई है। इतनी लंबी अवधि तक उन्होंने आवेदक को विचारण न्यायालय के आदेश की जानकारी न होना विश्वसनीय नहीं माना है। प्रकरण के तथ्यों को देखते हुए उनका आदेश औचित्यपूर्ण एवं न्यायिक है, जिसमें हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं है। परिणामतः यह निगरानी अग्राह्य की जाती है।</p>	<p style="text-align: right;">   <b>प्रशासकीय सदस्य</b> </p>